BLIND

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper :	**8948**	**IC**
Unique Paper Code	: 12131201	
Name of the Paper	: Classical Sanskrit Literature (Prose)	
Name of the Course	: **B.A. (Hon.) CBCS – Sanskrit Core**	
Semester	: II	
Duration : 3 Hours	Maximum Marks : 75	

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

भाग (क) (Section A)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए :-

Translate any **two** of the following : (5×2=10)

(क) उद्दामदर्पश्वयथुस्थगितश्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि ते न श्रृण्वन्ति, श्रृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्त: खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून् अहंकारदाहज्वरमूर्च्छान्धकारिता विह्वला हि राजप्रकृति: ।

(ख) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेश: । प्रशमहेतुर्वय: परिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालम-मलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति ।

(ग) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्ट-व्यमस्ति । केवलं च निसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीप-प्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवन् । अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमद: । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरं ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् ।

(घ) गुरुवचनम् अमलम् अपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभा-समुदयमधिकतरम् उपजनयति ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

Explain any **two** of the following : (5×2=10)

(क) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापिकालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव <u>भवति</u> यूनां दृष्टिः।

(ख) लतेव विटपकानध्यारोहति। गङ्गेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुद्बुदचञ्चला।

(ग) अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो <u>विशन्ति</u> सुखेनोपदेशगुणाः।

(घ) <u>प्रस्तावना</u> कपटनाटकस्य। कदलिका कामकरिणः। वध्यशाला साधुभावस्य। राहुजिह्वा धर्मेन्दुमण्डलस्य।

3. 'शुकनासोपदेश' के आधार पर 'लक्ष्मी' का वर्णन कीजिए। (10)

Describe the 'लक्ष्मी' on the basis of 'शुकनासोपदेश'.

अथवा / OR

'वाणी बाणो बभूव' इस उक्ति पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the statement 'वाणी बाणो बभूव'.

भाग (ख) (Section B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए:

Translate any **two** of the following: (5×2=10)

(क) अथ सोऽप्याचचक्षे- देव! मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित्कूपाभ्याशे अष्टवर्षदेशीयो दृष्टः। स च त्रासगद्गदमगदत् - महाभाग! क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य साहाय्यकम्। अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः पतितः। तमलमस्मि नाहमुद्धर्तुम् इति।

(ख) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा। दिव्यं हि चक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रकृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः। तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्ध एव जन्तुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात्। अतो विहाय बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम्। तदर्थानुष्ठानेन चावर्जितशक्तिसिद्धिर-स्खलितशासनः शाधि चिरमुदधिमेखलामुर्वीम् इति।

(ग) "किं बहुना! राज्यभारं भारक्षमेष्वन्तरङ्गेषु भक्तिमत्सु समर्प्य, अप्सरः प्रतिरूपाभिरन्तः पुरिकाभीरममाणो गीतसंगीतपानगोष्ठीश्च यथर्तु बध्नन् यथार्हं कुरु शरीरलाभम्" इति पञ्चाङ्गस्पृष्ट भूमिरञ्जलि' चुम्बितचूडश्चिरमशेत। प्राहसीच्च प्रीतिफुल्ललोचनोऽन्तः पुरप्रमदाजनः।

(घ) सत्यमाह चाणक्यः - चित्तज्ञानानुवर्तिनोऽनर्थ्या अपि प्रियाः स्युः। दक्षिणा अपि तद्भावबहिष्कृता द्वेष्या भवेयुः इति। तथापि का गतिः। अविनीतोऽपि न परित्याज्यः पितृपैतामहैरस्मादृशैरयमधिपतिः। अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकारमश्रूयमाणवाचः कुर्मः। सर्वथा नयज्ञस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम्। अपि नामापदो भाविन्यः प्रकृतिस्थमेनमापादयेयुः।

5. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' पर टिप्पणी लिखिए। (10)

Comment on the statement 'दण्डिनः पदलालित्यम्'.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के आधार पर विहारभद्र के कथन का विवेचन कीजिए।

Describe the sayings of 'विहारभद्र' on the basis of विश्रुतचरितम्.

6. प्रश्न संख्या 1, 2 एवं 4 में रेखांकित पदों में से किन्हीं **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।

Write grammatical notes on any **five** of the underlined words in Question No. 1, 2 and 4. (5)

भाग (ग) (Section C)

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिये। (10)

Through light on the origin and development of Sanskrit prose.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

दशकुमारचरितम्, आख्यायिका, कादम्बरी, वासवदत्ता

8. संस्कृतसाहित्य के आधार पर लोककथा का वर्णन कीजिए।

Describe the लोककथा on the basis of Sanskrit literature- (10)

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

पञ्चतन्त्र, शुकसप्तति, पुरुषपरीक्षा, सिंहासनद्वात्रिंशिका, वेतालपञ्चविंशति।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 6982 **IC**

Unique Paper Code : 72132801

Name of the Paper : Sanskrit Literature

Name of the Course : **Sanskrit : MIL/AECC-A1/ CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. हितोपदेश के आधार पर विद्या के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए। (15)

Analyze the importance of *vidya* according to *Hitopadesha*.

अथवा / **OR**

हितोपदेश में मित्रलाभ के अन्तर्गत वर्णित वृद्ध-व्याघ्र कथा के सामाजिक संदेश को अपने शब्दों में लिखिए।

Write the social message of the story *vridha–vyaghra* of Hitopadesha's *Mitralabh* in own words.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (15)

Write short notes on any **three** of the following:

(i) धर्म से हीन मनुष्य की स्थिति

Condition of human being without Dharma.

(ii) गुणी पुत्र की श्रेष्ठता

Superiority of virtuous Son.

(iii) उद्योग का महत्त्व

Importance of Efforts.

(iv) अभ्यास के बिना विद्या की निरर्थकता

Futility of knowledge without practice.

(v) यौवन, धन, प्रभुता और अज्ञानता की निंदा

Ill fame of youth, money, kingship and ignorance.

3. चाणक्य नीति के आधार पर मित्रता **अथवा** विद्या के महत्त्व का वर्णन कीजिए। (15)

Describe the importance of friendship **or** knowledge according to *Chanakyaniti*.

अथवा / OR

चाणक्य नीति के अनुसार नैतिकशिक्षा का वर्णन कीजिए।

Describe the Moral Education according to *Chanakyaniti.*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (15)

Write short notes any **three** of the followings :

(i) राजनीति का महत्त्व - Importance of politics

(ii) सज्जन-स्वभांव - Nature of a gentleman

(iii) अति सर्वत्र वर्जयेत् - To much always deprive

(iv) समत्व का महत्त्व - Importance of Equality.

5. संस्कृत-गद्य-साहित्य के उद्भव व विकास पर प्रकाश डालिए । (15)

Through light on origin and development of Sanskrit prose Literature.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

Write short notes any **three** of the followings :

(i) सुबन्धु

(ii) दण्डी

(iii) अम्बिकादास व्यास

(iv) पंचतंत्र

(v) हितोपदेश

(vi) चाणक्यनीति

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 9127 **IC**

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self Management in the Gita

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×7=35)

Explain the following :

(क) ममैवांशो जीवलोके जीवभूत: सनातन: ।
मन: षष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति ।।

अथवा / OR

श्रोत्रं चक्षु: स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च ।
अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ।।

(ख) धूमेनाव्रियते वह्निर्यथादर्शो मलेन च ।
यथोल्बेनावृतो गर्भस्तथा तेनेदमावृतम् ।।

अथवा / OR

त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मन: ।
काम: क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्त्रयं त्यजेत् ।।

(ग) असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम् ।
अभ्यासेन तु कौन्तैय वैराग्येण च गृह्यते ।।

अथवा / OR

दैवद्विजगुरुप्राज्ञपूजनं शौचमार्जवम् ।
ब्रह्मचर्यमहिंसा च शारीरं तप उच्यते ।।

(घ) पञ्चैतानि महाबाहो कारणानि निबोध मे ।
सांख्ये कृतान्ते प्रोक्तानि सिद्ध्ये सर्वकर्मणाम् ।।

अथवा / OR

यदा ते मोहकलिलं बुद्धिर्व्यतितरिष्यति ।
तदा गन्तासि निर्वेदं श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च ।।

(ङ) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।।

अथवा / OR

पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति ।
तदहं भक्त्युपहृतमश्नामि प्रयतात्मनः ।।

2. 'आत्मप्रबन्धन' का वर्णन करते हुए उसके आधारभूत तत्त्वों का विश्लेषण कीजिए । (11)

Describe the Self-Management and analyze its fundamental elements.

अथवा / OR

गीता के अनुसार आत्मप्रबन्धन की प्रक्रिया में मन और इन्द्रियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

Discuss the role of mind and senses in the process of Self-Management according to the *Gita*.

3. मानसिक द्वन्द्वों की प्रकृति का वर्णन करते उनके मूल कारण के रूप में रजोगुण का विवेचन कीजिए । (11)

Describe the nature of mental conflicts and discuss the *Rajoguṇa* as a root cause of mental conflicts.

अथवा / **OR**

तमोगुण का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सात्विक एवं तामसिक आहार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

Explaining the nature of *Tamoguṇa* describe the characteristics of *Sāttvika* and *Tāmsika* diet.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (3×6=18)

Write short notes on any **three** of the following :

(i) समत्व योग (Equanimity *Yoga*)

(ii) त्रिविध तप (Three types of austerity)

(iii) ध्यान (Meditation)

(iv) चतुर्विध भक्त (Four types of devotees)

(v) व्यवसायात्मिका बुद्धि (Determinate buddhi)

(100)

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8695**

Unique Paper Code : **12133901** **IC**

Name of the Paper : **Acting and Script Writing**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (CBCS)–SEC**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Answers *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लोकधर्मी तथा नाट्यधर्मी के मध्य के अन्तर को स्पष्ट कीजिए। 15

Explain the difference between Lokadharmī and Nātyadharmī ?

अथवा/(Or)

प्रमुख नाट्यप्रयोक्ता गणों का विस्तारपूर्वक सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Explain main members of theatrical group with example.

2. भूमिका-निर्धारण पर विस्तृत टिप्पणी लिखते हुए गौण पात्रों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 15

Write in detail about 'division of roles' and describe the importance of minor characters.

अथवा/(Or)

नाट्यक्षेत्र में विदूषक एवं सूत्रधार के योगदान का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Describe the contribution of Vidūṣaka and Sūtradhāra in the field of theatre.

3. अभिनय की परिभाषा देते हुए प्रमुख स्त्री-पात्रों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 15

Define Abhinaya and describe the main female characters with illustrations.

अथवा/(Or)

आहार्य अभिनय का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Describe Āhārya abhinaya in detail.

4. कथावस्तु के विभिन्न स्रोतों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। 15

Describe the various sources of Plot.

अथवा */(Or)*

आधिकारिक तथा प्रासांगिक प्रकार के वस्तु का वर्णन कीजिए।

Explain Ādhikārika and Prāsāngika types of Vastu.

5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के सन्दर्भ में नान्दी तथा प्रस्तावना को स्पष्ट कीजिए। 15

Explain Nāndī and Prastāvanā in the context of Abhijnānaśākuntalam.

अथवा */(Or)*

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 5+5+5=15

Write notes on any *three* of the following :

सर्वश्राव्य, स्वगत, सुकुमारप्रकृति, अपवारित, आकाशभाषित

This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 8898

1C

Unique Paper Code : 12131401

Name of the Paper : Indian Epigraphy, Paleography and Chronology

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS Core

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in *Sanskrit* or in *Hindi* or in *English*, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Part-A/भाग-क

1. भारतीय इतिहास के पुनर्निर्माण में अभिलेखों का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। 9

Describe the importance of inscriptions in the reconstruction of Indian History.

P.T.O.

अथवा/*Or*

अभिलेखों के विविध प्रकारों पर एक चर्चा कीजिए।

Discuss the various types of inscriptions.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : 2×5=10

Write short notes on any *two* of the following :

कायस्थ, सप्तसिन्धु, लिपिकर, सुदर्शन तालाब

Kayasth, Saptasindhu, Lipikar, Sudarshan Talab

Part-B/भाग-ख

3. ब्राह्मी लिपि के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 9

Throw light on the origin and development of Brahmi Script.

अथवा/*Or*

भारत में लेखनकला कितनी प्राचीन है, इस विषय पर विस्तार से निबन्ध लिखिये।

Write an essay in detail on the antiquity of writing in India.

4. निम्न में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×5=10

Write short notes on any *two* of the following :

डी. आर. भण्डारकर, डी. सी. सरकार, जेम्स प्रिंसेप, गौरीशंकर ओझा

D.R. Bhandarkar, D.C. Sarkar, James Princep, Gauri Shankar Ojha

Part-C/भाग-ग

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : 5+5=10

Translate any *two* of the following :

(*i*) यस्योर्जितं समरकर्मपराक्रमेद्धं
शुभ्रं यशः सुविपुलम्परिबम्भ्रमीति।
कर्माणि यस्य रिपवश्च रणोर्जितानि
स्वप्नान्तरेष्वपि विचिन्त्य परित्रसन्ति ।।

(*ii*) लीलामन्दिरसोदरेषु भवतु स्वान्तेषु वामभ्रुवां
शत्रूणां तु न विग्रहक्षितिपते न्याय्योऽत्र वासस्तव।
शङ्का वा पुरुषोत्तमस्य भवतोनास्त्येव [illegible]
न्निर्मथ्यापहृतश्रियः किमु भवान् क्रोडे न [illegible]

(*iii*) अस्ति पि तु एकचा समाजा बहुमता देवानंप्रियस प्रियदसिनो राञो पुरा महानसम्हि देवानंप्रियस प्रियदसिनो अनुदिवसं बहूनि प्राणसतसहस्रानि आरभिसु सूपाथाय स अज यदा अयं धंमलिपि लिखिता ती एव प्राणा आरभरे सूपाथाय।

(*iv*) सुष्टिवृष्टिना पर्जन्येन एकार्णव-भूतायाम् इव पृथिव्यां कृतायां गिरेः उर्जयतः सुवर्णसिकता-पलाशिनि-प्रभृतिनां नदीनां अतिमात्रोद्वृतैः वेगैः सेतुं क्रियमाण-अनुरूप-प्रतिकारम् अपि गिरिशिखर तरु-तट-अट्टालक।

6. रुद्रदामन के गिरिनगर अभिलेख का ऐतिहासिक महत्त्व लिखिये। 5

Write historical importance of Girinagar Inscriptions of Rudradaman.

अथवा/*Or*

एरण अभिलेख के आधार पर समुद्रगुप्त के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the personality of Samudragupta on the basis of Eran Inscription.

7. अशोक के सारनाथ लघु शिलालेख अथवा रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख के ऐतिहासिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 5

Elaborate the historical importance of the Sarnath minor rock edict *or* the Junagarh rock inscription of Rudradaman.

8. निम्न में से किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4

Write short notes on any *one* of the following :

तीर्त्वा सप्त मुखानि, समाज, सुदर्शन बांध

Teertwa Sapta Mukhani, Samaj, Sudarshan Bandh

Part-D/भाग-घ

9. प्राचीन अभिलेखों में कालनिर्धारण से संबंधित विभिन्न पद्धतियों का उल्लेख कीजिए। 9

Discuss the different systems of chronology found in ancient inscriptions.

अथवा/*Or*

अभिलेखों में प्रयुक्त होने वाले तिथ्यंकन पद्धति की समीक्षा कीजिए।

Examine the system of dating found in inscriptions.

10. निम्न में से किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4

Write a short note on any *one* of the following :

मौर्य संवत्, गुप्त संवत्, शक संवत्

Maurya Samvat, Gupta Samvat, Shak Samvat

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper :	**9108**	**IC**
Unique Paper Code	: 12131402	
Name of the Paper	: Modern Sanskrit Literature	
Name of the Course	: **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS**	
Semester	: IV	

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1 निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए :- (5)

Translate the Following verses :-

(क) वैदेशिकव्याधशिलीमुखेषु लाजप्रवर्षेष्विव सञ्चरन्तः ।

राष्ट्रं निजं ये पिपुरत्यमीभ्यो नमो नमो वीरवृषाकपिभ्यः ।।

अथवा / OR

ग्रन्था न यस्यां लिपिपत्ररूपास्ते ह्यत्र विज्ञानमया हि कोषाः ।

ग्रन्थालयायन्तकि तेन यस्यां स्वयंप्रकाषा विबुधा, न गेहाः ।।

(ख) वयं सुपुत्राः प्रियमातृभूमेः स्वबान्धवैरेव बहिष्कृताः स्मः ।

उद्धर्तुमस्मांश्चिर दास्य पङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः ।।

अथवा / OR

निपीय तोयं सरसः पुनश्च संस्थापितः स्याद्धि निजाधिकारः ।

उद्यम्य सत्याग्रह शस्त्रमेतद् विहाय दास्यं नमयेम सर्वान् ।।

2. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिए : (7

Explain the following verses:

(क) अस्यां सदा जाग्रति हन्त तिस्रस्त्रिमार्गगा निर्व्यभिचारसंगाः ।

भागीरथी चामरभारती च स्वातन्त्र्यदात्री करुणा च शम्भोः ।।

अथवा / OR

पुत्रीं हिमाद्रिर्नु सतीनुतेति रेवा नु गंगेति च मेकलाद्रिः ।

तातस्तदीयः पराम्बिकां तां तन्वीति व्याहरति स्म धीरः ।।

(ख) अज्ञान गाढान्ध तमोनिलय ज्ञानप्रकाशेन समुज्ज्वलद्भिः ।

लभ्यानि चान्यैः सह दुर्लभानि प्रयासकीयानि पदानि सम्यक् ।।

अथवा / OR

सर्वाण्यपत्यानि सुशिक्षितानि भवेयुरेवेत्यवधारणीयम् ।

शिक्षैव चात्मोन्नति हेतुरस्ति शिक्षां विना ते पशुभिः समानाः ।।

3. स्वातन्त्र्यसम्भवम् के अनुसार विद्या-नगरी के रूप काशी के माहात्म्य का वर्णन कीजिए । (8)

Describe the importance of Kashi Nagari as an educational-place according to Swatantryasambhavam.

अथवा / OR

समाजिक चेतना की दृष्टि से भीमायनम् महाकाव्य की समीक्षा कीजिए ।

Evaluate the Bhimayana Mahakavya in the Concept of Social consciousness.

P.T.O.

4. शतपर्विका कथा के सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए। (8)

Evaluate the social Message of story of Shataparvika.

अथवा / OR

बेटी बचाओ-बेटी पढाओ कथन के आलोक में शतपर्विका कथा की समीक्षा कीजिए।

Evalate the story of Satparvika in the light of slogan बेटी बचाओ-बेटी पढाओ।

5. श्रमिकों की समस्या की दृष्टि से शार्दूलशकटम् का मूल्यांकन कीजिए। (9)

Write an essay on the problems of Labor as portrayed in 'Shardulshakatama'.

अथवा / OR

आधुनिक संस्कृत नाटक के रूप में शार्दूलशकटम् की समीक्षा कीजिए।

Analyze Shardulshaktam as a Modern Sanskrit drama.

6. अधोलिखित पद्यों में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए: (5×2=10)

Translate any **two** of the following verses:

(क) सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्णाति

क्रमशो वृद्धिमुपगता दोषानपि मुष्णाति ।।
दोषानपि मुष्णाति निर्गुणं गुणमाधत्ते
निर्वेदं निर्वास्य मनसि सम्मोदं दत्ते ।।
सत्कार्येषूत्साहवर्द्धिनी सज्जनमैत्री ।
स्नेहसारविश्रम्भकान्ता सज्जनमैत्री ।।

अथवा / OR

प्रपञ्चो वञ्चना किञ्चित् वणिज्या काकिणी-नीतिः ।
अमीभिर्मुक्तसारा अंग कूपाराः क्व यातास्ते ।।
जगज्जालैस्तथा इन्द्रजालैर्येऽनुबध्नीयुः ।
नमद्भ्रूपक्ष्मभारा दृष्टिसंचाराः क्व यातास्ते ।।

(ख) वद वेदगिरां गुरुता क्व गता
क्व तथागतवाक्करुणापरता ।
इतिहासगता क्व नैतिकता
परिहासकथेव वृथा भविता ।।

अथवा / OR

गतिविकला विज्ञान विजडिता
सन्त्रस्ता रोदिति मानवता,
निर्मिति बीजं भूमौ वपतु,
सौख्यं स्वयं फलिष्यति रे
तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे ।।

7. कतमा कविता **अथवा** संकल्पगीति में वर्णित राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए। (8)

Throw light on National consciousness as depicted in 'Katma kavita or Sankalpagiti.

अथवा / **OR**

आधुनिक संस्कृत कविता के क्षेत्र में प्रो० पुष्पा दीक्षित अथवा प्रो० हर्षदेवमाधव के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the contribution of either Pro. Pushpa Dikshit or Pro.Harsh Dev Madhav to modern Sanskrit poetry.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए : (5×4=20)

Write short notes on any **four** of the following :

(क)	परमानन्द शास्त्री	Parmanand Shastri
(ख)	रेवाप्रसाद द्विवेदी	Revaprasad Dwivedi
(ग)	लीलाराव दयाल	Leela Rao Dayal
(घ)	जगन्नाथ पाठक	Jagannath Pathak
(ङ)	शंकरदेव अवतरे	Shankardev Awatare
(च)	वीरेन्द्रकुमार भट्टाचार्य	Virendra Kumar Bhattacharya

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 9058 **IC**

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A. (Hon.) Sanskrit CBCS – (DSE)**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

भाग – 'क' (Section A)

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर याज्ञवल्क्य के इस कथन- 'न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवन्ति' को स्पष्ट कीजिए। (11)

   Explain this statement - 'न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवन्ति' of Yājñavalkya on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

अथवा / OR

बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्मोत्कर्ष की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Describe the process of self-realization on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

भाग – 'ख' (Section B)

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (7×2=14)

   Explain the following :

   (क) योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।

   अथवा / OR

   तत्परं पुरुषख्यातेर्गुणवैतृष्ण्यम्।

   (ख) तपःस्वध्यायेश्वरप्रणिधानानि क्रियायोगः।

   अथवा / OR

   तत्र प्रत्ययैकतानता ध्यानम्।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : (6×3=18)

Write short notes any **three** of the following :

(क) अभ्यास एवं वैराग्य (ख) अपरिग्रह

(ग) समाधि (घ) नियम

(ङ) आसन

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए : (6×4=24)

Explain the following :

(क) कर्मब्रह्मोद्भवं विद्धि ब्रह्माक्षरसमुद्भवम् ।
तस्मात्सर्वगतं ब्रह्म नित्यं यज्ञे प्रतिष्ठितम् ।।

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।।

(ख) प्रशान्तमनसं ह्येनं योगिनं सुखमुत्तमम् ।
उपैति शान्तरजसं ब्रह्मभूतकल्मषम् ।।

अथवा / OR

शनैः शनैरुपरमेद्बुद्ध्या धृतिगृहीतया ।
आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किंचिदपि चिन्तयेत् ।।

(ग) रसोऽहमप्सु कौन्तेय प्रभास्मि शशिसूर्ययोः ।
प्रणवः सर्ववेदेषु शब्दः खे पौरुषं नृषु ।।

अथवा / OR

बीजं मां सर्वभूतानां विद्धि पार्थ सनातनम् ।
बुद्धिर्बुद्धिमतामस्मि तेजस्तेजस्विनामहम् ।।

(घ) श्रेयो हि ज्ञानमभ्यासाज्ज्ञानाद्ध्यानं विशिष्यते ।
ध्यानत्कर्मफलत्यागस्त्यागाच्छान्तिरनन्तरम् ।।

अथवा / OR

मय्येव मन आधत्स्व मयि बुद्धिं निवेशय ।
निवसिष्यसि मय्येव अत ऊर्ध्वं न संशयः ।।

भाग – 'ग' (Section c)

5. गीता के 'ज्ञानयोग' के आधार पर सन्तुलित जीवन जीने के उपयोगी सूत्रों का विवेचन कीजिए ।

Explain in detail useful formula's for the balanced living on the basis of Gitā *Jńāna-- Yoga*. (8)

अथवा / OR

गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'ध्यानयोग' की महत्ता का वर्णन कीजिए ।

Describe the importance of *Dhyāna*-Yoga *Yoga* for balanced living on the basis of Gitā.

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8843**

Unique Paper Code : **12137902** **IC**

Name of the Paper : **Art of Balanced Living**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS-DSE**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer *All* questions.

P.T.O.

भाग 'क'/Section 'A'

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर याज्ञवल्क्य के इस कथन—'न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति' को स्पष्ट कीजिए। 11

Explain this statement—'न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति' of Yājñavalkya on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

अथवा/*Or*

बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्मोत्कर्ष की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Describe the process of Self-realization of the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

भाग 'ख'/Section 'B'

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 2×7=14

Explain the following :

(अ) तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः।

अथवा/*Or*

तत्परं पुरुषख्यातेर्गुणवैतृष्ण्यम्।

(आ) देशबन्धश्चित्तस्य धारणा।

अथवा/*Or*

तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव समाधिः।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 3×6=18

Write short notes on any *three* of the following :

(क) क्रियायोग

(ख) यम

(ग) प्राणायाम

(घ) वशीकारसंज्ञा

(ङ) चित्तवृत्तियाँ।

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए : 4×6=24

Explain the following :

(क) कर्मणैव हि संसिद्धिमास्थिता जनकादयः।

लोकसङ्ग्रहमेवापि सम्पश्यन्कर्तुमर्हसि॥

अथवा/*Or*

यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात्॥

(ख) प्रशान्तमनसं ह्येनं योगिनं सुखमुत्तमम्।

उपैति शान्तरजसं ब्रह्मभूतमकल्मषम्॥

अथवा/*Or*

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।

तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति॥

(ग) मत्तः परतरं नान्यत्किंचिदस्ति धनंजय।

मयि सर्वमिदं प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव॥

अथवा/*Or*

पुण्यो गन्धः पृथिव्यां च तेजश्चास्मि विभावसौ।

जीवनं सर्वभूतेषु तपश्चास्मि तपस्विषु॥

(घ) तेषामहं समुद्धर्ता मृत्युसंसारसागरात्।

भवामि नचिरात्पार्थ मय्यावेशितचेतसाम्॥

अथवा/*Or*

सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः॥

भाग 'ग'/Section 'C'

5. 'सन्तुलित जीवन जीना एक कला है' गीता के 'कर्मयोग' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 8

Explain 'Balanced living is an art' on basis of Gitā's *Karma-Yoga.*

अथवा/*Or*

गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'ज्ञानयोग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Jñāna -Yoga for balanced living on basis of Gitā.

[This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 9064 **IC**

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Āyurveda

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit CBCS – DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. आयुर्वेद के अनुसार लघुत्रयी का विस्तृत वर्णन करें । (15)

Write a comprehensive note on Laghutrayī according to Āyurveda.

2. आयुर्वेद के अनुसार ग्रीष्म-ऋतु का विस्तृत वर्णन करें । (15)

Write a comprehensive note on Grīṣmaṛtu according to Āyurveda.

3. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें : (7.5×2=15)

Write short notes on any **two** of the following topics :

(i) उत्तरायण (Uttarāyaṇa)

(ii) दक्षिणायन (Dakṣiṇāyana)

(iii) सात्म्य (Homologation)

(iv) आयु की अवधारणा (Concept of Āyu)

4. आयुर्वेद के अनुसार शरद्-ऋतु का विस्तृत वर्णन करें। (15)

Write a comprehensive note on Saradṛtu according to Āyurveda.

5. तैत्तिरीयोपनिषद्-भृगुवल्ली में वरुण द्वारा भृगु को दिये गये उपदेश के आधार पर आयुर्वेदोक्त "समग्र-स्वास्थ्य" की अवधारणा को स्पष्ट करें। (15)

Define the Concept of "Holistic Health" on the basis of the knowledge given by Varuna to Bṛgu in the Bṛguvallī of Taittirīyopaniṣada.

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 8849

IC

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Āyurveda

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit CBCS – DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions as per the given instructions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए ।

P.T.O.

1. आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन करें। (20)

Write a comprehensive note on Āyurvedavatarana.

अथवा / OR

आयुर्वेद की पुनर्वसु-परम्परा का विस्तृत वर्णन करें।

Write a comprehensive note on the Punarvasu tradition of Āyurveda.

2. आयुर्वेद के अनुसार षड्-ऋतुचर्या का विस्तृत वर्णन करें। (20)

Write a comprehensive note on Ṣaḍritucaryā according to Āyurveda.

3. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें: (7.5×2=15)

Write short notes on any **two** of the following topics :

(i) उत्तरायण (Uttarāyaṇa)

(ii) दक्षिणायन (Dakṣiṇāyana)

(iii) आयुर्वेद के प्रयोजन (Objectives of Āyurveda)

(iv) आयु की अवधारणा (Concept of Āyu)

4. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली में वर्णित पञ्चकोश का वर्णन कीजिए। (20)

Describe the *Pancakośa* as depicted in the *BriguvallI* of *TaittirIyopaniṣad*.

(500)

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8732**

Unique Paper Code : **12131601** **IC**

Name of the Paper : **Indian Ontology and Epistemology**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit-CBCS**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

भाग क/Section A

1. आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन में क्या अन्तर है ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। 6

Explain in brief the difference between the Orthodox and the Heterodox philosophers.

अथवा/*Or*

भारतीय दर्शन के सामान्य वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

Give a brief description of general classification of Indian Philosophy.

2. कार्य कारणवाद विषयक नैयायिकों के मत का उल्लेख कीजिए। 6

Describe the doctrine of causation of Naiyayikas.

अथवा/*Or*

सत्कार्यवाद को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Explain in brief the doctrine of pre-existence of effect.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4½+4½

Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) विवर्तवाद (Doctrine of illusory transformation)

(*ii*) द्वैतवाद (Dualism)

(*iii*) परिणामवाद (Doctrine of real transformation)

भाग ख/Section B

4. पदार्थ कितने हैं ? प्रत्येक का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 7

How many Padarthas are there ? Give a brief description of each.

अथवा/*Or*

कर्म एवं अभाव पदार्थों का विवेचन कीजिए।

Discuss the Karma and Abhava padarthas.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 6+6

Explain any *two* of the following :

(क) ज्ञानाधिकरणमात्मा

(ख) शब्दगुणकमाकाशम्

(ग) तत्र गन्धवती पृथ्वी।

6. किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

Write short notes on any *two* of the following :

(क) मनस्

(ख) सामान्यम्

(ग) गुण

(घ) शब्द प्रमाण।

भाग ग/Section C

7. तर्कसंग्रह के अनुसार अनुभव की परिभाषा देते हुए अनुभव के प्रकारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 7

Give definition and types of Anubhava according to Tarkasaṁgraha.

अथवा/*Or*

तर्कसंग्रह के आधार पर षड्विध सन्निकर्ष को स्पष्ट कीजिए।

Explain षड्विधसन्निकर्ष on the basis of Tarkasaṁgraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 6+6

Explain any *two* of the following :

(क) कार्यनियतपूर्ववृति कारणम्

(ख) उपमितिकरणमुपमानम्

(ग) रूपादिचतुष्टयं पृथिव्यां पाकजमनित्यं चान्यत्रापाकजं नित्यमनित्यं च

(घ) तस्माल्लिङ्गपरामर्शोऽनुमानम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

Write short notes on any *two* of the following :

(क) परामर्श (Parāmarśa)

(ख) हेत्वाभास (Hetvābhāsa)

(ग) संशय एवं विपर्यय (Saṁśaya and viparyaya)

(घ) व्याप्ति (Vyāpti)।

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8732**

Unique Paper Code : **12131601** **IC**

Name of the Paper : **Indian Ontology and Epistemology**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit-CBCS**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

भाग क/Section A

1. आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन में क्या अन्तर है ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। 6

Explain in brief the difference between the Orthodox and the Heterodox philosophers.

अथवा/*Or*

भारतीय दर्शन के सामान्य वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

Give a brief description of general classification of Indian Philosophy.

2. कार्य कारणवाद विषयक नैयायिकों के मत का उल्लेख कीजिए। 6

Describe the doctrine of causation of Naiyayikas.

अथवा/*Or*

सत्कार्यवाद को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Explain in brief the doctrine of pre-existence of effect.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4½+4½

Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) विवर्तवाद (Doctrine of illusory transformation)

(*ii*) द्वैतवाद (Dualism)

(*iii*) परिणामवाद (Doctrine of real transformation)

भाग ख/Section B

4. पदार्थ कितने हैं ? प्रत्येक का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 7

How many Padarthas are there ? Give a brief description of each.

अथवा/*Or*

कर्म एवं अभाव पदार्थों का विवेचन कीजिए।

Discuss the Karma and Abhava padarthas.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 6+6

Explain any *two* of the following :

(क) ज्ञानाधिकरणमात्मा

(ख) शब्दगुणकमाकाशम्

(ग) तत्र गन्धवती पृथ्वी।

6. किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

Write short notes on any *two* of the following :

(क) मनस्

(ख) सामान्यम्

(ग) गुण

(घ) शब्द प्रमाण।

भाग ग/Section C

7. तर्कसंग्रह के अनुसार अनुभव की परिभाषा देते हुए अनुभव के प्रकारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 7

Give definition and types of Anubhava according to Tarkasaṁgraha.

अथवा/*Or*

तर्कसंग्रह के आधार पर षड्विध सन्निकर्ष को स्पष्ट कीजिए।

Explain षड्विधसन्निकर्ष on the basis of Tarkasaṁgraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 6+6

Explain any *two* of the following :

(क) कार्यनियतपूर्ववृति कारणम्

(ख) उपमितिकरणमुपमानम्

(ग) रूपादिचतुष्टयं पृथिव्यां पाकजमनित्यं चान्यत्रापाकजं नित्यमनित्यं च

(घ) तस्माल्लिङ्गपरामर्शोऽनुमानम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

Write short notes on any *two* of the following :

(क) परामर्श (Parāmarśa)

(ख) हेत्वाभास (Hetvābhāsa)

(ग) संशय एवं विपर्यय (Saṁśaya and viparyaya)

(घ) व्याप्ति (Vyāpti) I

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 9150 **IC**

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B.A. Hons. Sanskrit CBCS (Core)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **FIVE** of the following questions.
4. **All** questions carry equal marks. (15×5=75)

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

4. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. अट्ठारहवीं और उन्नीसवीं शती में उपनिषदों ने यूरोप और अमेरीका को कैसे प्रभावित किया ?

   How did the Upanishads impact Europe and America in the 18th and 19th centuries?

2. बुर्जोई कृत अनुवाद से आरम्भ हुई, पंचतन्त्र के अनुवादों की श्रृंखला का परिचय दीजिए ।

   Trace the series of translations of the Panchatantra which began with its translation by Burzoyi.

3. वैदिक तथा ग्रीस व रोम के देवकुल की समानताओं का निर्देश कीजिए ।

   Discuss the similarities between Vedic and Greco-Roman gods on the other.

4. विगत तीन शताब्दियों में यूरोप में गीता का प्रसार कैसे हुआ ?

How did the Gita spread in Europe in the last three centuries?

5. सम्राट् अकबर की चित्रशाला में चित्रित संस्कृत के ग्रन्थों का परिचय दीजिए ।

Discuss the Sanskrit texts produced in Akbar's painting workshops.

6. (क) संयुक्त राज्य अमरीका **अथवा** जापान में संस्कृत अध्ययन पर टिप्पणी लिखिए ।

Write a note on Sanskrit Studies in the USA **OR** Japan.

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के **तीन** भारोपीय भाषाओं के समतुल्य शब्द लिखिए –

Give the equivalents from any **three** Indo-European languages for any **two** of the words given above.

भ्रु, स्वसा, शूकर, पाद, नक्त

7. मलेशिया, इण्डोनेशिया तथा कंबोडिया की संस्कृति पर रामकथा के प्रभाव का विवेचन कीजिए ।

Discuss the impact of the story of Rama on the cultures of Malaysia, Indonesia and Cambodia.

8. दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के सन्दर्भ में सूफ़ीवाद व उपनिषदों की समानताओं का निरूपण कीजिए ।

Discuss the similarities between Sufism and the Upanishads in the light of Dara Shikoh's translations of the Upanishads.

This question paper contains 8 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8921**

Unique Paper Code : **12131602** **IC**

Name of the Paper : **Sanskrit Composition and Communication**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit-CBCS**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क'/Part 'A'

1. षष्ठी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 4

Explain with examples the rules of षष्ठी विभक्ति.

P.T.O.

अथवा/*Or*

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any *two* of the following sutras :

सम्बोधने च, कर्मणि द्वितीया, कर्मणा यमभिप्रैति व सम्प्रदानम्, सप्तम्यधिकरणे च

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों के रेखांकित पदों में सूत्रनिर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए : 4

Explain the reason of the case endings of the underlined words in any *four* sentences :

(क) छात्राः कन्दुकेन क्रीडन्ति।

(ख) सूर्याय नमः।

(ग) हरिं भजति।

(घ) मोक्षे इच्छाऽस्ति।

(ङ) गां पयो दोग्धि।

(च) बालकः अश्वात् पतति।

3. कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य के नियम उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 8

Explain with examples the rules of कर्तृवाच्य and कर्मवाच्य.

(अथवा)/*Or*

कृत् प्रत्यय किसे कहते हैं ? किन्हीं **दो** कृत् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

What is krit pratyaya ? Explain with examples any *two* krit pratyayas.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में वाच्य परिवर्तन कीजिए : 5

Change the voice in any *five* of the following :

(क) रजकेन वस्त्राणि प्रक्षाल्यन्ते जलाशये।

(ख) वयं पुस्तकानि पठामः।

(ग) मम माता मम कृते भोजनं पक्ष्यति।

(घ) बलिं याचते वसुधाम्।

(ङ) सः मधु खादितवान्।

(च) रामेण गृहं गतम्।

(छ) अत्र मया एकं नूपुरमदृश्यत।

भाग 'ख'/Part 'B'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 7

Translate in Sanskrit any *seven* of the following sentences :

(क) मूर्ख शिष्य गुरु की निन्दा करता है।

The fool disciple talks ills of the teacher.

(ख) इस प्रश्न को उस छात्र से पूछो।

Ask this question to that student.

(ग) कल सबेरे मैं पिताजी के साथ दुकान गई।

I went to the shop with my father yesterday morning.

(घ) क्षत्रिय के अतिरिक्त कौन प्रजा को दु:ख से बचाता है ?

Who other than a warrior saves the people from grief ?

(ङ) मित्रो ! मैं तुम दोनों को एक-एक पुस्तक देना चाहता हूँ।

Friends ! I want to give a book to both of you.

(च) हमें अपना कर्त्तव्य पालन करना चाहिए।

We should fulfill our duties.

(छ) चतुर मनुष्य चार बालकों को फल देता है।

The clever man gives fruits to four children.

(ज) माता पिता सदैव पूजनीय होते हैं।

Mother and father are always worshipable.

(झ) हिमालय से गंगा निकलती है।

The Ganga eminates from the Himalaya.

(ञ) तेरे द्वारा पाठ पढ़ा जाता है।

The text is read by you.

(ट) सूर्य ने किरणों से लोक को तपाया।

The sun heated the world by its rays.

6. निम्न में से किसी **एक** का हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 8

Translate any *one* of the following paragraphs into Hindi *or* into English :

कृषक: प्रतिदिनं प्रात:काले उत्थाय वृषभान् आदाय क्षेत्रं गच्छति। स तत्र क्षेत्राणि कर्षति। कृष्टेषु क्षेत्रेषु बीजानि वपति। बीजेभ्य: अंकुरा: जायन्ते। अंकुरेभ्य: शस्यं जायते। शस्येन एव सम्पूर्ण: देश: धनवान् धान्यवान् च भवति। भारतवर्षे ग्रामीणानां जनानां मुख्यं कर्म कृषि:। ग्रामीणा: कृषका: कठोरं परिश्रमं कुर्वन्ति।

अथवा/*Or*

संस्कृतवाङ्मयं विशालम्। तस्मिन् न केवलं जीवनस्य भौतिकपक्ष: प्रदर्श्यते अपितु आध्यात्मिकपक्ष: अपि। यथा पक्षी द्वाभ्यां पक्षाभ्याम् उत्पतति तथैव मानवोऽपि उभाभ्यां पक्षाभ्यां प्रगतिं करोति। सांसारिकजीवने सुखप्राप्ति: मनुष्यस्य प्रथमा आवश्यकतास्ति। अतएव पुरुषार्थचतुष्टये धर्मादनन्तरम् अर्थस्य स्थानम्। अर्थं विना संसारस्य किमपि कार्यं न सिध्यति। किन्तु अर्थोऽपि तावानेव उपादेय: यावती तस्य आवश्यकता।

7. दो मित्रों के मध्य होने वाले चलचित्र विषयक वार्तालाप को संस्कृत में लिखिए। 6

Write the conversation between two friends on the topic of cinema in Sanskrit.

अथवा/*Or*

निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** को शुद्ध कीजिए :

Correct any *six* of the following :

(*i*) त्वां किं रोचते ?

(*ii*) ज्ञानस्य ऋते न मुक्तिः।

(*iii*) धनेन ज्ञानं गुरुतरम्।

(*iv*) सः शिरसि खल्वाटः अस्ति।

(*v*) अलं विवादस्य।

(*vi*) रामः पितुः सह आपणम् अगच्छत्।

(*vii*) अहं पत्रं लिखति।

(*viii*) माता बालकं क्रुध्यति।

8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं **छः** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 6

Fill up the blanks of any *six* of the following with suitable suffixes :

(*i*) त्वया सत्यं .... (वद्+अनीयर्)।

(*ii*) कृष्णस्य केकारवं .... (श्रु+क्त्वा) कोकिलः अपि लज्जते।

(*iii*) तेन लेखः .... (लिख्+तव्यत्)।

(*iv*) देवदत्तः धनम् .... (आ+दा+ल्यप्) आपणम् अगच्छत्।

(*v*) .... (लज्ज+शानच्) वधूः आगच्छति।

(*vi*) विलपन्तीं सीतां दृष्ट्वा लक्ष्मणः .... (वि+सद्+क्त) संजातः।

(*vii*) अहं .... (पठ्+तुमुन्) इच्छामि।

(*viii*) सः .... (हस्+शतृ) अवदत्।

भाग 'ग'/Part 'C'

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 15

Write an essay on any *one* of the following topics :

(*i*) वेदानां महत्त्वम्

(*ii*) रम्या रामायणी कथा

(*iii*) भारतीया संस्कृतिः

(*iv*) महाकविः कालिदासः

10. निम्नलिखित में से क़िसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 12

Write an essay on any *one* of the following topics :

(*i*) पर्यावरणसंरक्षणम्

(*ii*) चलचित्रानां प्रभावः

(*iii*) भ्रष्टाचारः—कारणं निवारणं च

(*iv*) संगणकस्य महत्त्वम्।